करेंट अफेयर्स हरियाणा

(संग्रह)

अगस्त 2025

Drishti, 641, First Floor,
Dr. Mukharjee Nagar, Delhi-110009
Inquiry: +91-87501-87501
Email: care@groupdrishti.in

अनुक्रम

हरियाणा 3

- शहीद दिवस पर उधम सिंह को श्रद्धांजलि....................3
- अंडर-20 महिला विश्व कप के लिये भारतीय टीम में हरियाणा का वर्चस्व 3
- सामुदायिक एवं सामाजिक प्रभाव पुरस्कार 4
- कैप्टन हरद्वारी सिंह अहलावत....................5
- एशियाई निशानेबाज़ी चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक....................6
- हिसार में एकीकृत विनिर्माण क्लस्टर (IMC) 6
- हरियाणा राज्य उद्यमिता आयोग....................7
- गुरु तेग बहादुर का 350वाँ बलिदान दिवस 8

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉडयूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

हरियाणा

शहीद दिवस पर उधम सिंह को श्रद्धांजलि

चर्चा में क्यों ?

प्रधानमंत्री **नरेंद्र मोदी** ने **शहीद** उधम सिंह (राम मोहम्मद सिंह आज़ाद) को उनके **86वें शहादत दिवस** (31 जुलाई) पर **श्रद्धांजलि** अर्पित की। उन्होंने उधम सिंह को **भारत का अमर पुत्र संबोधित करते हुए** इस बात पर ज़ोर दिया कि उनकी राष्ट्रभक्ति तथा वीरता सदैव देशवासियों के लिये **प्रेरणास्रोत बनी** रहेगी।

मुख्य बिंदु

शहीद उधम सिंह के बारे में:

- **जन्म एवं प्रारंभिक जीवन:**
  - 26 दिसंबर,1899 को पंजाब के सुनाम में जन्मे उधम सिंह का जीवन **सिख धर्म** और **क्रांतिकारी गतिविधियों** के प्रभाव में रहा, जिनमें कोमागाटा मारू घटना तथा गदर पार्टी के विद्रोह ने उनके **औपनिवेशिक विरोधी दृष्टिकोण** को आकार दिया।
- **क्रांतिकारी गतिविधियाँ:**
  - वर्ष 1924 में उन्होंने औपनिवेशिक शासन के विरुद्ध संघर्ष हेतु **गदर पार्टी** की सदस्यता ग्रहण की। वर्ष 1927 में उन्हें **अवैध रूप से आग्नेयास्त्र रखने** के आरोप में गिरफ्तार कर पाँच वर्ष के कारावास की सज़ा सुनाई गई।
  - मार्च 1940 में **लंदन स्थित कैक्सटन हॉल** में आयोजित एक सभा के दौरान उन्होंने **ब्रिटिश पंजाब** के तत्कालीन **लेफ्टिनेंट गवर्नर माइकल ओ'डायर** की हत्या कर वर्ष 1919 के जलियांवाला बाग हत्याकांड का प्रतिशोध लिया।
- **मृत्यु:**
  - इस कृत्य के लिये उन पर मुकदमा चलाया गया तथा 31 जुलाई 1940 को उन्हें **लंदन स्थित पेंटनविले जेल** में **फाँसी दे** दी गई।
- **विरासत:**
  - वर्ष 1974 में उनके **पार्थिव अवशेष** भारत लाए गए और पंजाब सहित विभिन्न स्थानों पर उनके बलिदान को याद करने के लिये **स्मारक,** संग्रहालय तथा **शैक्षणिक संस्थान** स्थापित किये गए।
  - **हरियाणा सरकार** ने **31 जुलाई** को **शहीद उधम सिंह शहादत दिवस** के रूप में **राजपत्रित अवकाश** घोषित किया है।
  - वर्ष 1995 में **उत्तराखंड** के एक **ज़िले** का नाम परिवर्तित कर **उधम सिंह नगर** रखा गया।

अंडर-20 महिला विश्व कप के लिये भारतीय टीम में हरियाणा का वर्चस्व

चर्चा में क्यों ?

अंडर-20 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप (WWC) **2025** के लिये भारतीय महिला कुश्ती टीम का चयन कर लिया गया है, जिसमें **दस में से नौ पहलवान हरियाणा** से हैं। यह उपलब्धि महिला कुश्ती में हरियाणा की **प्रभुत्वपूर्ण स्थिति** को दर्शाती है।

- यह चैंपियनशिप 13 से 21 सितंबर तक ***ज़ाग्रेब*** *(क्रोएशिया)* में आयोजित की जाएगी।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 — SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस — SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स — SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप — SCAN ME

नोट :

मुख्य बिंदु

- **विश्व कुश्ती चैंपियनशिप** 2025 के लिये **ट्रायल** दिल्ली के इंदिरा गांधी स्टेडियम में आयोजित किये गए, जहाँ देशभर की 42 महिला पहलवानों ने टीम में स्थान पाने के लिये प्रतिस्पर्द्धा की।
  - चयनित 10 पहलवानों में से केवल **वैष्णवी पाटिल महाराष्ट्र** से हैं, शेष सभी हरियाणा से हैं।
  - *भारतीय कुश्ती महासंघ (IWF)* ने ट्रायल्स का सुचारु संचालन सुनिश्चित किया। इस दौरान संजय सिंह (अध्यक्ष, IWF) भी उपस्थित थे।

विश्व कुश्ती चैंपियनशिप (WWC)

- विश्व कुश्ती चैंपियनशिप का आयोजन यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग (UWW) द्वारा किया जाता है।
- UWW कुश्ती के खेल की अंतर्राष्ट्रीय नियामक संस्था है, जिसमें ग्रीको-रोमन कुश्ती (केवल पुरुष) और फ्रीस्टाइल कुश्ती (पुरुष और महिला) दोनों शामिल हैं।
- UWW का मुख्यालय कोर्सियर-सुर-वेवे, **स्विट्ज़रलैंड** में है।
- **विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में भारत की उपलब्धियाँ:**
  - भारत ने विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में अब तक कुल **23 पदक** जीते हैं, जिनमें **1 स्वर्ण**, **5 रजत**, और **17 कांस्य पदक** शामिल हैं।

सामुदायिक एवं सामाजिक प्रभाव पुरस्कार

चर्चा में क्यों?

हरियाणा के IAS अधिकारी **राजेश जोगपाल** को शहरी स्थिरता और अभिनव शासन में उनके असाधारण कार्य के लिये प्रतिष्ठित **सामुदायिक** तथा **सामाजिक प्रभाव पुरस्कार** से सम्मानित किया गया है।

- यह पुरस्कार **केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री** द्वारा नई दिल्ली में आयोजित **दूसरे सतत्** कृषि शिखर सम्मेलन एवं पुरस्कार-2025 (9 अक्तूबर, 2025) के दौरान प्रदान किया गया।

मुख्य बिंदु

- **प्रभावशाली नेतृत्व:**
  - हरियाणा में वर्तमान में सहकारी समितियों **के रजिस्ट्रार** के रूप में कार्यरत IAS जोगपाल को **सतत् शहरी शासन** को बढ़ावा देने में उनके अग्रणी प्रयासों के लिये सम्मानित किया गया।
- **शिखर सम्मेलन के बारे में:**
  - ग्रे मैटर्स कम्युनिकेशंस के साथ साझेदारी में **सस्टेनेबिलिटी मैटर्स और इंडीएग्री** द्वारा आयोजित शिखर सम्मेलन में जलवायु-स्मार्ट कृषि के भविष्य पर चर्चा करने के लिये पूरे भारत से कृषि हितधारक तथा नवप्रवर्तक एकत्र हुए।
  - **वर्ष 2025 शिखर सम्मेलन का विषय है:** "कृषि 2047: जलवायु-अनुकूल खेती, भविष्य-अनुकूल भारत"
  - **समुदाय-केंद्रित दृष्टिकोण:** यह सम्मान **नवोन्मेषी शासन** के माध्यम से **एकीकृत सामुदायिक विकास** के महत्त्व को रेखांकित करता है, विशेषकर **शहरी सततता** और **कृषि** के क्षेत्र में।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **उद्देश्य:** शिखर सम्मेलन का उद्देश्य विकसित भारत 2047 के दृष्टिकोण का समर्थन करना, **जलवायु-अनुकूल कृषि पद्धतियों** को बढ़ावा देना, हितधारक संवाद के लिये एक मंच तैयार करना, सतत् कृषि नवाचारों को मान्यता देना तथा स्केलिंग के लिये ज़मीनी स्तर के नवाचारों का दस्तावेज़ीकरण कर उन्हें व्यापक स्तर पर लागू करना शामिल है।

कैप्टन हरद्वारी सिंह अहलावत

चर्चा में क्यों ?

आज़ाद हिंद फौज के **कैप्टन हरद्वारी सिंह अहलावत** ने झाँसी रेजिमेंट (झाँसी की रानी रेजिमेंट) को ब्रिटिश घेराबंदी से मुक्त कराने में **महत्त्वपूर्ण भूमिका** निभाई।

- झाँसी की रानी रेजिमेंट, **कैप्टन लक्ष्मी स्वामीनाथन** के नेतृत्व वाली महिला योद्धाओं की एक सशस्त्र इकाई थी। ऐसा माना जाता है कि यह सैन्य इतिहास की पहली महिला पैदल सेना थी।

मुख्य बिंदु

कैप्टन हरद्वारी सिंह अहलावत के बारे में

- **झाँसी रेजिमेंट की मुक्ति:**
  - वर्ष 1945 में, नेताजी सुभाष चंद्र बोस के आदेश पर, **कैप्टन अहलावत** ने झाँसी रेजिमेंट को ब्रिटिश सेना से मुक्त कराने के लिये एक सफल अभियान का नेतृत्व किया, जिसमें 4,000 से अधिक राउंड फायरिंग की गई और लगभग 300 ब्रिटिश सैनिकों को मार डाला गया।
- **INA में भूमिका:**
  - कैप्टन अहलावत, जिनका जन्म **देघल गाँव** (झज्जर, हरियाणा) में हुआ था, वर्ष 1942 में अपने गाँव के 32 सैनिकों के साथ **आज़ाद हिंद फौज** में शामिल हुए।
  - **नेताजी बोस** ने उनके साहस के लिये उन्हें प्रतिष्ठित **"शेर-ए-हिंद"** पुरस्कार से सम्मानित किया और उन्हें अपना निजी स्टाफ अधिकारी (PSO) नियुक्त किया।
- **सैन्य उपलब्धियाँ:**
  - अहलावत के नेतृत्व में, INA बलों ने बर्मा के पास **लेपोप्पा हिल्स** क्षेत्र को मुक्त कराया, ब्रिटिश सेनाओं को हराया और पहाड़ी चौकी (7,000-8,000 फीट की ऊँचाई) पर भारत का झंडा फहराया।
- **युद्धोत्तर जीवन:**
  - वर्ष 1945 में आज़ाद हिंद फौज के आत्मसमर्पण के बाद, अहलावत को 17,000 INA सैनिकों के साथ दिल्ली के लाल किले में कैद कर लिया गया था।
  - उन्हें 31 दिसंबर, 1945 को ब्रिटिश सरकार द्वारा रिहा कर दिया गया (INA परीक्षणों या लाल किला परीक्षणों के बाद)।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

एशियाई निशानेबाज़ी चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक

चर्चा में क्यों ?

हरियाणा के **पलवल** निवासी **कपिल बैंसला** ने कज़ाख़िस्तान में आयोजित **16वीं** एशियाई निशानेबाज़ी चैंपियनशिप में भारत के लिये पहला **स्वर्ण पदक** जीतकर इतिहास रच दिया।

- उन्होंने **10 मीटर एयर पिस्टल पुरुष जूनियर फाइनल** में शीर्ष स्थान हासिल कर हरियाणा और पूरे देश को गौरवान्वित किया।

मुख्य बिंदु

- **आयोजन विवरण:**
    - राइफल, पिस्टल और शॉटगन स्पर्द्धाओं वाली **16वीं एशियाई शूटिंग चैंपियनशिप** 16 से 30 अगस्त 2025 तक कज़ाख़िस्तान के **श्यामकेंट** में आयोजित की जा रही है।
    - इस कार्यक्रम का आयोजन **कज़ाख़िस्तान स्पोर्ट्स शूटिंग फेडरेशन** द्वारा किया जा रहा है और **कुवैत** स्थित एशियाई शूटिंग परिसंघ (ASC) द्वारा इसे मंजूरी दी गई है।
    - प्रतियोगिता का संचालन अंतर्राष्ट्रीय निशानेबाज़ी खेल महासंघ (ISSF) द्वारा किया जा रहा है।
    - कुल 27 देशों के 800 से अधिक एथलीटों ने इसमें हिस्सा लिया है। भारत का दल सबसे बड़ा है, जिसमें **164 निशानेबाज़** शामिल हैं।
- **भारत का प्रदर्शन**
    - **1 स्वर्ण पदक:** कपिल बैंसला - पुरुषों की **10 मीटर एयर पिस्टल जूनियर** स्पर्द्धा में स्वर्ण।
    - **2 रजत पदक:** पुरुषों की **10 मीटर एयर पिस्टल टीम** - रजत (अनमोल जैन, सौरभ चौधरी, आदित्य मालरा)।
    - **2 कांस्य पदक:**
        - महिलाओं की **10 मीटर एयर पिस्टल टीम** - कांस्य (मनु भाकर, सुरुचि सिंह, पलक गुलिया)।
        - मनु भाकर - महिलाओं की **10 मीटर एयर पिस्टल** में व्यक्तिगत कांस्य।

हिसार में एकीकृत विनिर्माण क्लस्टर (IMC)

चर्चा में क्यों ?

अमृतसर-कोलकाता औद्योगिक गलियारा (AKIC) **पहल** ने **राष्ट्रीय औद्योगिक गलियारा विकास एवं कार्यान्वयन ट्रस्ट (NIC-DIT)**, **हरियाणा सरकार** और हरियाणा हवाई अड्डा विकास निगम (HADC) के बीच **राज्य समर्थन समझौते (SSA)** तथा **शेयरधारक समझौते (SHA)** पर हस्ताक्षर के साथ एक महत्त्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की।

- इन समझौतों का मुख्य उद्देश्य हरियाणा के **हिसार** में एकीकृत विनिर्माण क्लस्टर (IMC) का विकास करना है।

मुख्य बिंदु

- **समझौते के बारे में:**
    - **SSA और SHA के तहत** राष्ट्रीय औद्योगिक गलियारा विकास निगम (NICDC) हरियाणा सरकार को हिसार में **एकीकृत विनिर्माण क्लस्टर (IMC)** विकसित करने में सहायता करेगा।
    - यह परियोजना भारत में राज्य सरकारों के साथ चल रही 20 परियोजनाओं में से एक है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **IMC हिसार:**
  - हरियाणा में स्थित यह क्लस्टर राज्य की आर्थिक संवृद्धि का प्रमुख **प्रेरक** बनने की क्षमता रखता है।
  - यह विकास परियोजना **2,988 एकड़** में फैली हुई है। यह **अमृतसर-कोलकाता औद्योगिक कॉरिडोर (AKIC)** का हिस्सा है और हाल ही में उद्घाटित **महाराजा अग्रसेन अंतर्राष्टीय हवाई अड्डे, हिसार** के निकट स्थित है।
  - इस परियोजना में **32,417 करोड़ रुपए** की निवेश होने की संभावना है तथा परियोजना लागत **4,680 करोड़ रुपए** है एवं इससे **1.25 लाख रोज़गार** सृजित होने की उम्मीद है।
  - यह ईस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (EDFC) और वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (WDFC) के बीच रणनीतिक रूप से स्थित है, जो NH-52, NH-09, रेल संपर्क तथा प्रमुख लॉजिस्टिक्स केंद्रों की निकटता के माध्यम से उत्कृष्ट कनेक्टिविटी प्रदान करता है।
  - उन्नत बुनियादी ढाँचे और हिसार शहर की निकटता के साथ, IMC हिसार हरियाणा तथा उत्तर भारत के औद्योगिक विकास में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

अमृतसर कोलकाता औद्योगिक गलियारा

- इसे भारत सरकार द्वारा **ईस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (EDFC)** के साथ एक प्रमुख औद्योगिक गलियारे के रूप में विकसित किया जा रहा है, जो छह राज्यों में **1,839 किमी** की लंबाई को कवर करता है।
- AKIC को चरणबद्ध तरीके से EDFC के दोनों ओर 150-200 किमी की पट्टी में विकसित करने का प्रस्ताव है।
- AKIC का प्रभाव क्षेत्र **सात राज्यों पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल** में होगा।
- प्रथम चरण में विकास के लिये निम्नलिखित एकीकृत विनिर्माण क्लस्टर (IMC) की पहचान की गई है:
  - हिसार एकीकृत विनिर्माण क्लस्टर IMC, हरियाणा
  - प्रागखुरपिया एकीकृत विनिर्माण क्लस्टर, उत्तराखंड
  - राजपुरा-पटियाला IMC, पंजाब
  - आगरा, उत्तर प्रदेश में IMC और **सरस्वती हाई-टेक सिटी**, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश
  - न्यू बहरी नोड, झारखंड
  - गया IMC, बिहार

हरियाणा राज्य उद्यमिता आयोग

चर्चा में क्यों ?

राज्य स्तरीय कार्यक्रम '**विश्व उद्यमिता दिवस**' (21 अगस्त) के दौरान, जो कि **चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (CCSHAU), हिसार** में आयोजित किया गया, हरियाणा के मुख्यमंत्री **श्री नायब सिंह सैनी** ने **हरियाणा राज्य उद्यमिता आयोग** की स्थापना की घोषणा की। इस आयोग का उद्देश्य पूरे राज्य में युवा उद्यमियों को प्रोत्साहित करना और प्रशिक्षित करना है।

- वर्तमान में हरियाणा में **9,000 सक्रिय स्टार्टअप्स** हैं (**स्टार्टअप्स के मामले में 7वाँ सबसे बड़ा राज्य**)। **राज्य का लक्ष्य इस संख्या को तीन गुना बढ़ाकर** 27,000 करना है, ताकि **हरियाणा को राष्ट्रीय स्तर पर स्टार्टअप्स के मामले में नंबर एक राज्य के रूप में स्थापित** किया जा सके।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

अन्य प्रमुख पहल

- **सेंटर ऑफ एक्सीलेंस:** कौशल विकास के लिये 197 संस्थानों में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित किये जाएँगे।
  - **ज़िला स्तरीय सेंटर:** हर ज़िले में **सार्वजनिक-निजी भागीदारी (PPP) मॉडल** के तहत सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित किये जाएँगे, ताकि उद्यमशीलता कौशल का विकास किया जा सके।
- **मुख्यमंत्री युवा कौशल सम्मान** योजना के तहत 2,000 छात्रों को उद्योगों में प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिसके साथ **मासिक ₹10,000 का भत्ता** भी प्राप्त होगा।
- हरियाणा के **वर्ल्ड स्किल्स ओलंपिक्स** विजेताओं को प्रत्येक को ₹10 लाख दिये जाएँगे और व्यवसाय के लिये अतिरिक्त सहायता प्राप्त होगी, जबकि जो व्यवसाय नहीं करेंगे उन्हें **कौशल प्रशिक्षक** के रूप में नियुक्त किया जाएगा।
- कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने **एग्री बिज़नेस इनक्यूबेशन सेंटर, CCSHAU, हिसार** के 22 स्टार्टअप्स को 1.14 करोड़ रुपए से अधिक का अनुदान प्रदान किया।
- प्रतिभाशाली युवाओं की पहचान और प्रशिक्षण के लिये **ओपन स्किल प्रतियोगिताएँ** प्रतिवर्ष ज़िला तथा राज्य स्तर पर आयोजित की जाएँगी।

विश्व उद्यमिता दिवस

- प्रत्येक वर्ष 21 अगस्त को **विश्व उद्यमिता दिवस (World Entrepreneurship Day)** उन **दूरदर्शियों को सम्मानित करता है जो विचारों को उद्यमों में बदलते** हैं, नवाचार को प्रोत्साहन प्रदान करते हैं, रोज़गार सृजित करते हैं और अर्थव्यवस्थाओं का निर्माण करते हैं।
- यह **साहस (courage), रचनात्मकता (creativity) और समुत्थानशीलता (resilience) का वैश्विक उत्सव है,** जो उद्यमिता की सभी रूपों को परिभाषित करता है।

गुरु तेग बहादुर का 350वाँ बलिदान दिवस

चर्चा में क्यों?

हरियाणा विधानसभा ने सर्वसम्मति से गुरु तेग बहादुर के 350वें **बलिदान दिवस** पर उन्हें सम्मानित करने के लिये एक प्रस्ताव पारित किया और 25 नवंबर को कुरुक्षेत्र में एक बड़े कार्यक्रम की योजना की घोषणा की।

- उन्होंने धार्मिक स्वतंत्रता के अधिकार की रक्षा करते हुए नवंबर 1675 में चाँदनी चौक, दिल्ली में सर्वोच्च बलिदान दिया।

मुख्य बिंदु

- **गुरु तेग बहादुर को श्रद्धांजलि:**
  - मुख्यमंत्री **नायब सिंह सैनी** ने एक प्रस्ताव पेश किया जिसमें कहा गया कि गुरु तेग बहादुर की आपसी सहयोग और भाईचारे की शिक्षाओं का प्रसार करना उनके बलिदान के प्रति सर्वोत्तम श्रद्धांजलि है।
  - प्रस्ताव में गुरु तेग बहादुर के अनुयायी **भाई मति दास, भाई सती दास** और **भाई दयाला** के बलिदान को भी याद किया गया, जिन्होंने अटूट विश्वास के साथ अपने प्राण त्याग दिये।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **हरियाणा से संबंध:**
  - गुरु तेग बहादुर ने अपनी यात्रा के दौरान हरियाणा के कई स्थानों का दौरा किया, जिनमें **कुरुक्षेत्र, पेहोवा, कैथल, जींद, अंबाला, चीका** और **रोहतक** शामिल हैं। इन स्थलों पर महत्त्वपूर्ण गुरुद्वारे स्थित हैं, जैसे कि **जींद में गुरुद्वारा श्री धमतान साहिब** तथा **अंबाला में गुरुद्वारा श्री शीशगंज साहिब**, जो उनके आशीर्वाद एवं शिक्षाओं के स्थायी प्रतीक हैं।
- **गुरु तेग बहादुर**
  - वे 9वें सिख गुरु थे, जो अपनी शिक्षाओं, बहादुरी और बलिदान के लिये पूजनीय माने जाते हैं।
  - 21 अप्रैल, 1621 को अमृतसर में गुरु हरगोबिंद (छठे सिख गुरु) तथा **माता नानकी** के घर जन्मे गुरु तेग बहादुर का मूल नाम उनके तपस्वी स्वभाव के कारण **त्याग मल** रखा गया था।
  - भाई **गुरदास** से शास्त्रों में तथा बाबा **बुड्ढा** से युद्ध कला में प्रशिक्षण प्राप्त करके उन्होंने 13 वर्ष की आयु में ही युद्ध में अपनी विशिष्ट पहचान बना ली थी।
  - उन्होंने **गुरु ग्रंथ साहिब** में 116 भजनों का योगदान दिया, सिख शिक्षाओं का प्रसार करने के लिये व्यापक रूप से यात्रा की और **चक-नानकी** (अब आनंदपुर साहिब का हिस्सा) की स्थापना की।
  - वर्ष 1675 में, जबरन धर्मांतरण के खिलाफ धार्मिक स्वतंत्रता की रक्षा करते हुए मुगल सम्राट औरंगजेब के आदेश पर उन्हें दिल्ली में फाँसी दी गई, जिससे उन्हें **"हिंद की चादर"** (हिंद का रक्षक) की उपाधि मिली।

सिख धर्म के दस गुरु	
गुरु नानक देव (1469-1539)	ये सिखों के पहले गुरु और सिख धर्म के संस्थापक थे। इन्होंने 'गुरु का लंगर' की शुरुआत की। वह बाबर के समकालीन थे। गुरु नानक देव की 550वीं जयंती पर करतारपुर कॉरिडोर को शुरू किया गया था।
गुरु अंगद (1504-1552)	इन्होंने गुरुमुखी नामक नई लिपि का आविष्कार किया और 'गुरु का लंगर' प्रथा को लोकप्रिय बनाया।
गुरु अमर दास (1479-1574)	इन्होंने आनंद कारज विवाह (Anand Karaj Marriage) समारोह की शुरुआत की। इन्होंने सिखों के बीच सती और पर्दा प्रथा जैसी कुरीतियों को समाप्त किया। ये अकबर के समकालीन थे।
गुरु राम दास (1534-1581)	इन्होंने वर्ष 1577 में अकबर द्वारा दी गई ज़मीन पर अमृतसर की स्थापना की। इन्होंने अमृतसर में स्वर्ण मंदिर (Golden Temple) का निर्माण शुरू किया।
गुरु अर्जुन देव (1563-1606)	इन्होंने वर्ष 1604 में **आदि ग्रंथ** की रचना की। इन्होंने स्वर्ण मंदिर का निर्माण कार्य पूरा किया। वे **शाहिदीन-दे-सरताज (Shaheeden-de-Sartaj)** के रूप में प्रचलित थे। इन्हें जहाँगीर ने राजकुमार खुसरो की मदद करने के आरोप में मार दिया।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

गुरु हरगोबिंद (1594-1644)	इन्होंने सिख समुदाय को एक सैन्य समुदाय में बदल दिया। इन्हें **"सैनिक संत" (Soldier Saint)** के रूप में जाना जाता है। इन्होंने अकाल तख्त की स्थापना की और अमृतसर शहर को मज़बूत किया। इन्होंने जहाँगीर और शाहजहाँ के खिलाफ युद्ध छेड़ा।
गुरु हर राय (1630-1661)	ये शांतिप्रिय व्यक्ति थे और इन्होंने अपना अधिकांश जीवन औरंगज़ेब के साथ शांति बनाए रखने तथा मिशनरी काम करने में समर्पित कर दिया।
गुरु हरकिशन (1656-1664)	ये अन्य सभी गुरुओं में सबसे कम आयु के गुरु थे और इन्हें 5 वर्ष की आयु में गुरु की उपाधि दी गई थी। इनके खिलाफ औरंगज़ेब द्वारा इस्लाम विरोधी कार्य के लिये सम्मन जारी किया गया था।
गुरु तेग बहादुर (1621-1675)	इन्होंने आनंदपुर साहिब की स्थापना की।
गुरु गोबिंद सिंह (1666-1708)	इन्होंने वर्ष 1699 में 'खालसा' नामक योद्धा समुदाय की स्थापना की। इन्होंने एक नया संस्कार "पाहुल" (Pahul) शुरू किया। ये मानव रूप में अंतिम सिख गुरु थे और इन्होंने 'गुरु ग्रंथ साहिब' को सिखों के गुरु के रूप में नामित किया।

✦ ✦ ✦ ✦

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :